दिनांक 19.11.2021 से 21.11.2021 तक अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक कान्फ्रेंस के पश्चात उ0प्र0 पुलिस मुख्यालय के समक्ष
मा0 प्रधानमंत्री, मा0 गृहमंत्री, भारत सरकार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, आई.बी. निदेशक एवं समस्त प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक व अन्य वरिष्ठ पुलिस
अधिकारीगण

नव वर्ष सन्देश 2022

मुकुल गोयल
आई.पी.एस.

पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

पुलिस मुख्यालय (सिग्नेचर बिल्डिंग)
गोमती नगर विस्तार, लखनऊ

नववर्ष संदेश–2022

प्रिय साथियों,

नववर्ष के शुभ आगमन पर मेरी ओर से आप तथा आपके परिवारीजनों को हार्दिक शुभकामनायें। नूतन वर्ष के दिवाकर की रश्मियां आप एवं आपके परिजनों मे सुख–समृद्धि, उल्लास एवं आनन्द का संचार करें।

बीते वर्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस ने स्ट्रिक्ट (STRICT), स्मार्ट (SMART) एवं सेन्सिटिव (SENSITIVE) पुलिसिंग करते हुए, उत्कृष्ट परफार्मेन्स (PERFORMANCE) से स्वयं को ट्रान्सफार्म (TRANSFORM) किया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस के लिये बड़े सौभाग्य की बात रही कि अखिल भारतीय पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक सम्मेलन–2021 को सम्पन्न कराने का अवसर प्राप्त हुआ। सम्मेलन में मा. प्रधानमंत्री एवं मा. गृहमंत्री, भारत सरकार के साथ–साथ समस्त प्रदेशों के पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस संस्थानों के निदेशक/प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

शासन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लखनऊ, गौतमबुद्धनगर की तरह कानपुर नगर व वाराणसी में भी पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू की गयी। उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स (UPSSF) का गठन किया गया है। विवेचनाओं के निस्तारण में वैज्ञानिक विधियों के अधिकाधिक समावेश हेतु प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यू.पी. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज की स्थापना की गयी है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने संगठित अपराध व माफिया का सफाया करते हुये सेवा और समर्पण का अप्रतिम इतिहास स्थापित किया है। अपराधियों के प्रति ''जीरो टालरेंस की नीति'' एवं कठोरतम कार्यवाही करने के फलस्वरूप सभी महत्वपूर्ण अपराधों में भारी कमी आयी है। यह उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में समस्त अपराधों विशेषतया महिला संबंधी अपराधों में शत–प्रतिशत अपराधों का पंजीकरण किया गया।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मा. मुख्यमंत्री महोदय के निर्देशन में चलाये जा रहे 'मिशन–शक्ति' अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक थाने पर 'महिला हेल्प डेस्क', साईबर थानों में 'महिला साईबर सेल' स्थापित कर, 10,370 बीट में 20,000 से अधिक महिला आरक्षियों को बीट अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। एण्टी रोमियों स्कवाड को और सक्रिय कर, चिन्हित हाट–स्पाट पर यूपी–112 की सघन पेट्रोलिंग से महिला सुरक्षा हेतु एक सुरक्षित ईको सिस्टम तैयार किया गया है। महिलाओं के लिये स्थापित हेल्पलाइन 1090 को उच्चीकृत कर एक अत्याधुनिक Data analytics एवं Forensics Centre की स्थापना की गयी, जिसके द्वारा साइबर बुलिंग के केस मे प्रभावी नियत्रंण लाया गया है।

पूर्व से स्थापित साईबर क्राइम इन्फ्रास्टक्टचर को और सुदृढ़ करते हुए प्रत्येक थाने में साईबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गयी है जिसमें पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त पुलिस कर्मियों की तैनाती की गयी है। नेशनल फाइनेंशियल साईबर क्राइम हेल्प लाइन 155260 को 112 से इन्टीग्रेट कर इसे 24x7 कार्यरत करना भी साईबर क्राइम क्षेत्र में यूपी पुलिस की बड़ी उपलब्धि है। इन समस्त उपायों से उत्तर प्रदेश में साईबर क्राइम पीड़ितों को बहुत राहत मिली है।

सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे ट्विटर, फेसबुक, व्हाटएप आदि के माध्यम से छोटी से छोटी जनशिकायत का समाधान एवं निरन्तर जनसंवाद द्वारा यूपी पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जनसामान्य का विश्वास अर्जित किया है। सोशल मीडिया के जरिये फैलने वाली अफवाहों पर नियंत्रण स्थापित कर ऐसे तत्वों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की गयी है। पुलिस चौकी स्तर तक सोशल मीडिया के डिजिटल वालंटियर्स के नेटवर्क ने भी अफवाहों के त्वरित खंडन करते हुये कानून व्यवस्था बनाये रखी है। वर्तमान समय में उ.प्र. पुलिस ट्विटर हैण्डल के 02 मिलियन फॉलोवर्स हो चुके हैं, जो देश में दूसरे स्थान पर है।

गैंगेस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के अन्तर्गत आपराधिक कृत्य से अर्जित की गयी लगभग 1930 करोड़ रूपये से अधिक की चल/अचल अवैध सम्पत्तियों पर शिकंजा करते हुए सरकारी जमीन अवमुक्त कराने, अवैध कब्जे के ध्वस्तीकरण एवं जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी है। पुलिस द्वारा की गयी वैधानिक आत्मरक्षार्थ कार्यवाही में 01 लाख रू0 के 13 एवं 50 हजार रू0 के 48 पुरस्कार घोषित अपराधी गिरफ्तार किये गये है।

कानून–व्यवस्था की स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नये थानों, पुलिस चौकियों तथा बैरिकों की स्थापना वृहद स्तर पर की गई है। प्रदेश में विभिन्न प्रकार के 26 नये थानों/ चौकियों की स्थापना की गई है। इनमें 01 महिला थाना, 14 थाना व 11 पुलिस चौकियां है। विगत वर्ष पुलिस विभाग में 52317 भर्तियां विभिन्न पदों पर की गयी है। साथ ही लगभग 22526 राजपत्रित/ अराजपत्रित कार्मिकों को विभिन्न पदों पर पदोन्नतियाँ प्रदान की गयी है तथा विभिन्न पदों पर 42362 सीधी भर्ती की प्रक्रिया प्रचलित है।

पुलिस कर्मियों द्वारा कोरोना वॉरीयर्स के रूप में अभूतपूर्व परिश्रम कर सरकारी नियमों का अनुपालन कराते हुये जिस तत्परता एवं दृढ़ता का परिचय दिया गया है उसकी सर्वत्र प्रशंसा हुई है। मैं सभी पुलिस कर्मियों से वर्ष–2022 में कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन कर स्वयं को सुरक्षित रखते हुये जनता में भी कोविड नियमों का अनुपालन कराने की अपील करता हूं।

यूपी पुलिस द्वारा तैयार किये गये सुरक्षा के अभूतपूर्व वातावरण से निवेशकों में विश्वास का संचार हुआ है जिससे वर्ष 2020–21 में उत्तर प्रदेश को देश में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव प्राप्त हुआ है।

आगामी विधान सभा चुनाव 2022 में कानून–व्यवस्था को बनाये रखना बड़ी चुनौती होगी। विधान सभा चुनाव को निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने के साथ ही अतिविशिष्ट/विशिष्ट महानुभावों की सुरक्षा तथा उनके कार्यक्रमो को सकुशल सम्पन्न कराना हमारी प्राथमिकता है। अंततः मै यह कहना चाहूंगा कि आमजन के प्रति संवेदनशीलता बनाये रखते हुए उसे राहत पहुंचाना हमारी प्राथमिकताओं में सदैव बने रहना चाहिए, हमें अपना व्यवहार और अधिक शिष्ट एवं विन्रम बनाना होगा। नववर्ष की इस बेला पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, मनोयोग एवं ईमानदारी के साथ करेंगे, जिससे पुलिस की छवि जन सहयोगी के रूप में परिलक्षित हो। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप अपनी कर्तव्यनिष्ठता, ईमानदारी व उत्कृष्ट व्यवसायिक दक्षता से प्रदेश पुलिस का नाम रोशन करेंगे।

मैं एक बार पुनः आप तथा आपके परिवार के लिये नये वर्ष में सुख समृद्धि एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

(मुकुल गोयल)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश